प्रेषक.

बीठपीठ गुप्ता अपर सचिव उत्तरांचल शतसन

सेवा में,

मुख्य वन संरक्षक नियोजन एवं वित्तीय प्रवंधन उत्तरांचल, देहरादून

षत एवं पर्यावरण अनुगाम-2

वेहरावृत्र : दिनांक 🗸 ५ परमरी, २०००

विषयः - अनुदान संघ-27 के आयोजनागत पत्त की केन्द्र पुरोनिधानित योजना "प्रोचेक्ट क्लीकंट" के अन्तर्गत हो 2005-06 की विलीय त्यीकृति.

महोदुरा,

उपरोधत विषयक आपके पत्र संख्या- नि०-५४०/३५-१-बी, दिनांक २१ जनवरी, २००६ एवं शासनादेश प० संख्या-३३८/दस-२-२००५-१२(६२)/२००५, दिनांक २२ नवम्बर, २००५ के कम में मुझे यह कहने का निर्मण हुआ है कि श्री राज्यपाल महोदय वन विभाग के आयोजनागत पक्ष में "प्रोजेक्ट एलीफेन्ट" योजना के निर्मण के अयोजनागत पक्ष में "प्रोजेक्ट एलीफेन्ट" योजना के निर्मण की एवं प्रविकृत पनराशि क0 82,00,000/- के अतिरिक्त कोषागार गदों में रूठ 5,65,000 तथा त्याल सीमा महो गर्क 41,35,000/- अर्थात कुल रूठ 47,00,000 (रूठ रीतालीस लाख गांव) की पनराशि प्यय कि प्राणकों निर्मण पर रखे जाने की सहर्ष स्वीकृति निम्न शर्ता एवं प्रतिकंधों के अधीन प्रदान करते हैं :-

- उगत स्वीकृत व्यय भारत सरकार के प्रतांक 1-11/2002(पी.क्रं), विकाक 26 विस्तायर 2006 वाल स्वीकृत मदों पर ही किया जाय और किसी भी दशा में उपल प्रगराशि का उपयोग नवे कार्या कार्यान्यान के लिए न किया जाय.
- योजना की विभिन्न मदों पर व्यय शासन के वर्तमान नियमों एवं आदेशों को अनुसार ही विच्या जाम तना जहाँ आगश्यकता हो सहाम अधिवारी/शासन की पूर्व सहमति/स्वीकृति ली गाय.
- 3. मितामयता के सम्बन्ध में नियमों का कड़ाई से पातन किया जाय.
- 4. पींड पी गीजना के सापेश आवटन अपने सार से पिचा जान
- पगराधि का आहरण राथा आगश्यकता ही किया जायेगा.
- स्वीकृत की जा रही धनराशि का उपयोगिता प्रमाण पत्र महालेखाकार एवं शासन के वित्त विभाग पर्व वर्णान तक अवश्य उपलब्ध कराया जाना स्विशिधत किया जाय.
- उचत पनसिश का आहरण भारत सरकार से धनसिश अवभुक्त होने के उपरान्त यथाआवश्यपना ती किया जाय.
- अप्रयुक्त धनराशि बजट मैनुअल के प्राविधानों के अन्तर्गत समय सारणी के अनुसार समर्थित किया जाने।
 सुनिश्चित किया जायेगा.
- 2. इस सम्बन्ध में होने वाला व्यय चालू विलीय गर्थ 2005-06 के आय-व्ययक अनुदान सरुगा 71 के ते वा शिर्षक-2406-वानिकी तथा वन्य जीवन 02- पर्यावरणीय वानिकी तथा वन्य जीवन 110- क्वा जीवन परिरक्षण 01- केन्द्रीय आयोजनागत/केन्द्र द्वारा पुरोनिधानित योजनाये 0103- प्रोजेवट एलीफेट के पंतर्वत संलग्न तालिका में अकिंत सुसंगत प्राथमिक ईकाइयों के नागे डाला जायेगा.

3. ये आदेश विता विमाग की अशासकीय संख्या- 395/वि.अनु.-4/2005, दिनांक 06 जनवरी, 2006 प्रारा प्राप्त उनकी सहस्रति से जारी किये जा रहे हैं.

भवदीय

(बीकपीठ गुया) अवर शक्ति

क0 संख्या-427(1)/दस-2-2006, तद्दिनांकित,

प्रतिलिपि निम्नलिखित को सूचनार्थ एवं आवश्यक कार्यवाही हेतु प्रेपित:-

- महालेखाकार(लेखा एवं लेखा परीक्षा), उतारांचल, ओबराय मोटरां बिल्डिंग, सहारगपुर रोह, गागरा, देहराद्न.
- 2, प्रमुख वन संरक्षक, उत्तरांचल, देहरादून.
- सचिव, नियोजन विभाग, उक्षारांपल शासम, वेहरादून.
- 4. अपर सधिव, विता अनुभाग-4, उतारांवल मासग, देहरादूग.
- 5. निजी सचिव, माननीय मुख्य मंत्री जी, उत्तरांचल शासन, देहरादून.
- 6. निदेशक, कोषागार एवं विता सेवायें, देहरादून,
- 7. मुख्य कोषाधिकारी, देहरादून,
- B. प्रभारी, एन आई.सी., उत्तरांचल सचिवालय, देहरादून.
- 9. बजट राजकोषीय नियोजन एवं संसाधन, सर्पिवालय, देहरादून.
- 10. आयुक्त गढ़वाल मण्डल तथा सम्मन्धित जिलाधिकारी, उतारांपल.
- 11. निजी सचिव, मुख्य सचिव, उत्तरांघल, शासन, देहरादून.
- 12. गार्ड फाइल (जे).

(बीठबीठ गुषा) अपर सविव